RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-06
June-2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com[UGC Listed Journal]

भारत में आधुनिकीकरण का प्रभाव–एक समाज वैज्ञानिक विश्लेषण

बृजेश कुमार यादव

शोधछात्र (समाजशास्त्र)काशी हिन्दू विश्वविद्यालयवाराणसी।

ARTICLE DETAILS

Article History
Published Online: 12June 2019

Keywords
आधुनिकीकरण का प्रभाव, सामाजिक प्रभाव, आर्थिक प्रभाव, राजनैतिक प्रभाव।

***Corresponding Author**
Email:brijeshahaan[at]gmail.com

ABSTRACT

समाज एवं संस्कृति में परिवर्तन एक शाश्वत प्रक्रिया है। दुनिया में सायद ही कोई ऐसा समाज हो जो इस परिवर्तन से अछुता हो। भारत में भी समयानुसार परिवर्तन होते रहे है। परन्तु भारत में और उसकी संरचना में परिवर्तन का प्रमुख कारण आधुनिकीकरण रहा है। भारत में आधुनिकीकरण का प्रमुख आधार पश्चिमीकरण की प्रक्रिया रही है। जिसका सूत्रपात ब्रिटिश आगमन के उपरान्त हुआ। आधुनिकीकरण के प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप ही भारत के सामाजिक क्षेत्र में परिवर्तन हुआ, समाज में व्याप्त कुरितियाँ, प्रथाओं जैसे– सती प्रथा, खान–पान छुआ–छुत इत्यादि का अन्त करके।

ब्रिटिश शासन काल में ही बाल विवाह, विधवा पुर्नविवाह, स्त्री सम्पत्ति अधिकार, सती प्रथा निषेध जैसे प्रगतिशील कानून बने जिससे परम्परागत भारतीय समाज में आधुनिकता का मार्ग प्रसस्त हुआ और भारत को एक समान कानून एवं न्याय व्यवस्था प्राप्त हुई।

आधुनिकीकरण के परिणाम स्वरूप भारत में आर्थिक परिवर्तन के साथ–साथ राजनैतिक परिवर्तन भी हुए। भारत में लोग अपने परम्परागत व्यवसाय को छोड़कर कल कारखानों को तरफ अग्रसर हुए। 1990 में लिए आर्थिक फैसले ने भारत में विदेशीपूँजी का मार्ग प्रसस्त किया जिसने आर्थिक विकास हुआ। भारत में आधुनिकीकरण का प्रभाव यह हुआ कि भारतीय समाज ने राजशाही व्यवस्था को पुरी तरह नाकार दिया और लोकतान्त्रिक व्यवस्था को अपनाया गया। लोकतन्त्र में जनता का हित सर्वोपरी होता है। इसलिए जनसाधारण के हितों के लिए संविधान का निर्माण हुआ जिसका परिणाम यह हुआ कि संविधान के कारण साधारण जनता भी अपने आप को सशक्तिकृत समझती है।

आधुनिकीकरण के परिणाम स्वरूप भारत में सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक इत्यादि प्रकार के परिवर्तन हुए।

प्रस्तावना–

हमारी मातृभूमि हमार देश भारत अपनी संस्कृति, आदर्शो, मूल्यों और उच्च परम्पराओं के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। दया, सत्य, अंहिसा और ब्रम्हचर्य जैसे आदर्श त्याग और बलिदान की परम्परा हमारे देश में सर्वोपरी रही है। प्रत्येक देश एवं उसके समाज की अपनी परम्पराएं होती है। ऐसा कोई भी समाज नहीं जो परम्परा से मूक्त होती है। पराम्परा व्यक्ति और समाज के लिए गर्व की बात होती है हम परम्पराओं से कभी भी मूक्त नहीं हो सकते परन्तु समय के परिवर्तन के साथ मूल्य, विश्वास, परम्पराओं में भी परिवर्तन हुए है जो आधुनिकीकरण के प्रक्रिया के परिणाम है आधुनिकीकरण प्रक्रिया के कारण पूर्व की समाजिक मान्यताएं टुट रही है जो नये स्वरूप में प्रकट हो रही है। भारतीय समाज में आधुनिकीकरण के कारण उसके सामाजिक, आर्थिक, राजनैनिक प्रत्येक क्षेत्र प्रभावित हुए है। इनमें व्याप्त पूर्व की सभी पारम्परीक भ्रान्तियाँ टुट रही है। जो नये स्वरूप में दिखाई दे रही है।

आधुनिक युग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युगान्तकारी परिवर्तन हुए हैं। जिसके चलते समाज के प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन हुए है। यह परिवर्तन विश्व भर में आज भी अनवरत रूप से चल रहा है। इस परिवर्तन को स्पष्ट करने के लिए समाज वैज्ञानिको ने आधुनिकीकरण जैसी अवधारणा का प्रयोग किया।

वास्तव में आधुनिकीकरण बहुआयामी प्रक्रिया है। साथ ही यह किसी प्रकार के मूल्यों से जुड़ा नहीं है, लेकिन कभी–कभी आधुनिकीकरण का प्रयोग अच्छाई या इच्छित परिवर्तन के लिए भी किया जाता है। प्रायः आधुनिकीकरण के आदर्श पश्चिमी देश एवं उनमें होने वाले परिवर्तन रहे है लेकिन उपनिवेशों एवं विकासशील देशों में होने वाले परिवर्तन को समझने के सन्दर्भ में भी इस शब्द का उपयोग किया जाता है। आज के सन्दर्भ में हम यह कह सकते है कि लोकतन्त्र, शिक्षा, प्रणाली और अद्यौगिक प्रगति की शुरूआत प्रायः पश्चिमी देश में ही हुई है। इसके परिणाम स्वरूप जो समाजिक, आर्थिक, राजनैतिक परिवर्तन समाजों में आयें और परिवर्तन के जो अनुकरण अन्य देशों में हुए उसे भी हम आधुनिकीकरण के प्रक्रिया के रूप में जानते है। हालांकि आज चीन, जापान, रूस जैसे देश भी आधुनिकीकरण के आदर्श बन रहे है। जहाँ तक भारत का प्रश्न है, जो आम तौर पर समाजशास्त्री यही मानते है कि आधुनिकीकरण का प्रमुख आधार पश्चिमीकरण की प्रक्रिया रही है।

अध्ययन का उद्देश्य–

जब कोई शोध कार्य किया जाता है तो उसका कोई न कोई उद्देश्य अवश्य होता है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य निम्नलिखित है।

1. आधुनिकीकरण के अर्थ को जानना।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

2. भारत में आधुनिकीकरण एवं उसकेद्वारा विभिन्न क्षेत्रों में पड़ने वाले प्रभाव को जानना।

अध्ययन की उपकल्पना–

उपकल्पना काम चलाऊ निष्कर्ष होता है।

प्रस्तुत अध्ययन कि उपकल्पना आधुनिकीकरण द्वारा भारत के विभिन्न क्षेत्र जैसे–सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक क्षेत्रों में सकारात्मक रूप से पड़ा है।

अध्ययन कि विधि एवं तथ्य संकलन–

प्रस्तुत अध्ययन कि विधि का स्वरूप विवरणात्क है और अध्ययन कि विश्वसनीयता पूर्णतयः द्वितियक सामाग्री (किताब, पत्रिकाए, सामाचार पत्र, इन्टरनेट इत्यादि) के विश्लेषण पर आधारित है।

आधुनिकीकरणका अर्थ–

''किसी परम्परा एवं पुरानी कार्य प्रणाली, व्यवस्था, संघटन आदि को आधुनिक अर्थात् नये ढ़ग का बनाने की क्रिया या भाव को आधुनिकीकरण कहते है।''

भारत में आधुनिकीकरण–

भारत में आधुनिकीकरण कि प्रक्रिया की शुरूआत ब्रिटिश शासन की स्थापना एवं उसके सम्पर्कोकोपरिणाम है। अंग्रेजो द्वारा भारत पर विजय कि प्रक्रिया लगभग एक शताब्दि तक चलती रही। स्वाभाविक रूप से उन्होंने अपने सामराज्य की स्थापना करना और उसे यथास्थिति में बनाये रखने के लिए भारत में कुछ नई तकनीकी और संरचनाओं की स्थापना की। उत्पादन में नई मशीनी तकनीकी, व्यापार की नई बाजार प्रणाली, यातायात और संचार के साधनों का विकास, कर्मचारी तन्त्र पर आधारित सिविल सेवा, औपचारिक और लिखित कानून की स्थापना, आधुनिक सैन्य संगठन, न्यायिक व्यवस्था, आधुनिक औपचारिक शिक्षा व्यवस्था इत्यादि में महत्वपूर्ण परिवर्तन थे जिन्होंने आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की।

पश्चिमी शिक्षा तथा सरकारी सेवाओं के नये अवसरों ने भारतीय समाज के ऐसे प्रभूत्व वर्ग को जन्म दिया जो अपने समाज की दिन हिन दशा पर विचार करने के लिए बाध्य हो गये। इस वर्ग के नेतृत्व में भारत समाज सुधार आन्दोलन का सूत्रपात हुआ परिणाम स्वरूप भारतीय नेताओं एवं समाजसुधारकों ने अंग्रेजो की मदत से बहुत सी परम्परागत समाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। हांलाकि कुछ विचारक इस विचार से असहमत है, लेकिन अधिकांश का स्पष्ट रूप से मानना है कि अंग्रेजो ने भारत में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया की नीव डाली। ब्रिटिश शासन के आगमन के पश्चात आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में अनेक समाज सुधारकों और नवीन सामाजिक विधानों के द्वारा देश की परम्परात्मक सामाजिक बुराइयों को दूर करने के प्रयत्न किये। सन् 1834 में मुम्बई में एल्फिन्स्टॉन कालेज की स्थापना हुई और इसी वर्ष ''दी टाइम्स ऑफ इण्डिया'' नामक समाचार पत्र प्रारम्भ हुआ। तब से लेकर अब तक भारत आधुनिकता की ओर सतत् अग्रसर हो रहा है। अब मनु द्वारा लिखित हिन्दू परम्पराएँ क्षीण हो रही है। सती प्रथा समाप्त हो गई, विधाएं अब पूनर्विवाह करने लगी है। बाल–विवाहों की संख्या घटी है, जाति का लौकिकीकरण हो रहा है। तथा खान–पान के नियमों में शिथिलता आयी है।

भारत में स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात आधुनिकीकरण की प्रक्रिया योजना बद्ध और तीव्रगति से हुई है। भारतीय संविधान बनाकर और उसे व्यवहार में क्रियान्वित कर भारत ने सर्व प्रथम राजनैतिक आधुनिकीकरण किया, जिसके परिणाम स्वरूप जाति, धर्म, लिंग, रंग आदि के आधार पर भेदभाव और छुआछत को कानूनी रूप से समाप्त कर दिया गया। वैयक्तिक स्वतन्त्रता एवं समानता के अधिकार ने लोगों के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं राजनैतिक जीवन में क्रान्तिकारी परिवर्तन किया। आधुनिकीकरण के कारण कानून एवे न्याय व्यवस्था के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हुए। निःसन्देह का शासन एवं वर्तमान न्याय–व्यवस्था, भारत को अंग्रेजो की सराहनीय देन है। अंग्रेजों द्वारा ही सम्पूर्ण भारत में एक समान कानून एवं न्याय व्यावस्था एवं न्याय व्यवस्था का प्रशासन कायम हुआ, जबकि इससे पहले देश में शासन भिन्न–भिन्न प्रथाओं एवं सामन्तों की इच्छाओं से चलता था। ब्रिटिश शासन काल में ही बाल विवाह, विधवा पूर्नविवाह स्त्री सम्पत्ति अधिकार, उत्तराधिकार एवं सती प्रथा निरोधक जैसे प्रगतिशील कानून बने, जिससे परम्परागत भारतीय समाज में आधुनिकता का मार्ग प्रसस्त हुआ।

भारतीय समाज की बहुलवादी विशेषता को देखते हुए आधिुनिकीकरण का अपना एक अलग एवं विशिष्ट माडल अपनाया गया है। इसमें समाजवाद लौकिविवाद, उद्योगवाद, प्रजातन्त्र, समाजवाद एवं व्यक्ति की स्वतन्त्रता तथा मौलिक मूल्यों को महत्व दिया गया है।

भारत में आधुनिकीकरण का प्रभाव–

भारत प्राचीन समय से ही एक पारम्परिक देश रहा है। जहाँ तक भारत मे आधुनिकीकरण के प्रभाव का प्रश्न है, तो आम तौर पर समाजशास्त्री यही मानते है कि यहाँ आधुनिकीकरण का प्रमुख आधार पश्चिमीकारण ही प्रक्रिया रही है। भारत में ब्रिटिश प्रशासन के आगमन के फलस्वरूप परिवर्तन आये जो निम्नवत् है।

1.सामाजिक क्षेत्र में आधुनिकीकरण का प्रभाव–

आधुनिकीकरण के प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप भारतीय समाज के प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन हुए जो स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ते है।

आधुनिकीकरण के कारण सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि हुई है। व्यक्ति पुरानी सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक तथा

RRIJM 2015, All Rights Reserved

मनोविज्ञानिक धारणाओं को तोड़कर नये प्रकार का व्यवहार करना शुरू कर रहा है। सामाजिक संरचना में परिवर्तन के परिणामस्वरूप व्यक्ति के व्यवसायिक एवं राजनीतिक कार्यो में परिवर्तन होता है जिससे परिवर्तन आता है। सामाजिक क्षेत्र में संस्तरण की खुली व्यवस्था होती है। प्रदत्तपद के स्थान पर अर्जित पदों का महत्व होता है। तथा सभी प्रकार के अवसर की समानता दी जाती है। विवाह, धर्म, व्यवसाय, परिवार इत्यादि क्षेत्र में वैयक्तिक स्वतन्त्रता पर बल दिया जाने लगा है।

आधुनिकीकरण कि प्रक्रिया में औद्योगीकरण के साथ–साथ नगरीयकरण भी बढ़ा है। नगरों में श्रमिकों की संख्या बढ़ी है। शहरों में परिवार जाति एवं नातेदार के सम्बन्धों में शिथिलता आयी है। ईश्वर और धर्म का महत्व घटा है। तार्किक दृष्टिकोण विकसित हुआ है। नगरों एवं शिक्षित लोगों के विचारों में लौकिकीकरण की प्रक्रिया देखी जा सकती है। जहाँ तक ग्रामीण भारत में आधुनिकीकरण का प्रश्न है, यह कह सकते है कि गाँव भी इस ओर आगे बढ़ रहे है। वे परिवर्तन आने लगे है। उनके मूल्यों एवं आकांक्षाओं में कुछ परिवर्तन को चाहने लगे है। गाँवों में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है। धार्मिक मामलों में तार्किकता बढ़ रही है। लोग खान–पान, छुआ–छुत, इत्यादि मामलों को तार्किक दृष्टिकोण से देख रहे है। सामाजिक दूरी कम हुई है। जमीदारी एवं जागीरदारी उन्मूलन ने गांवों को उन्नती की ओर अग्रसर होने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसका तात्पर्य यह नहीं हैं कि भारतीय गाँव आधुनिकीकरण की दृष्टि से बहुत आगे बढ़ गये है। वहाँ परम्परा और आधुनिकता का स्पष्ट प्रभाव दिखलाई पड़ता है, पंचायती राज्य संस्थाओं के माध्यम से जहाँ ग्रामीणों में नई आशा का संचार हो रहा है। प्रजातान्त्रीय दृष्टिकोण पनप रहा है। वहाँ आर्थिक संस्थाओं और शक्ति संरचना पर आधुनिकीकरण का प्रभाव स्पष्ट दिखाई पड़ती है। औद्योगीकरण, नगरीकरण तथा यातायात और संचार के विकसित साधनों तथा साक्षरता के बढ़ते हुए प्रतिशत ने ग्रामीण नगरीय सातत्य को बढ़ाने में योग दिया है। परिणाम स्वरूप ग्रामीण समुदाय भी आधुनिकीकरण की ओर अग्रसर हुए है।

2.आर्थिक क्षेत्र में आधुनिकीकरण का प्रभाव–

ब्रिटिश शासन के भारत आने से पूर्व भारतीय अर्थ व्यवस्था एक ग्रामीण अर्थव्यवस्था थी जो कृषि एवं कुटीर व्यवसायों पर आधारित थी। प्रत्येक गाँव लगभग एक स्वतन्त्र आत्मनिर्भर ईकाई था। गाँवों में उत्पादन स्थानीय अवश्यकताओं के अनुसार ही होता था। साप्ताहिक हाट एवं बाजारों या मेलों के अवसर पर आस–पास के लोग अपने द्वारा उत्पादित वस्तुओं को बेचने आ जाते थे। उत्पादन मानव व पशु शक्ति के द्वारा छोटे पैमाने पर होता था, किन्तु अंग्रेजी शासन के भारत में आने से बड़े–बड़े कारखाने स्थापित किये जिनमें उत्पादन जड़ शक्ति द्वारा मशीनों की सहायता से तीव्र गति व बड़े पैमाने पर होने लगे। अब स्थानीय, प्रान्तीय, व राष्ट्रीय ही नहीं वरन् अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए उत्पादन होने लगा। औद्योगीकीकरण के कारण व्यापार में वृद्धि हुई, बैकों की स्थापना हुई, श्रमविभाजन हुआ जिनके कारण विशेषीकरण पनपा तथा पूँजीवादी व्यवस्था ने जन्म लिया। आजादी के बाद भारत में आर्थिक विकास और नगरीकरण की प्रक्रिया में काफी तेजी आयी भारतीय अर्थ व्यवस्था में 1990 के दशक की शुरूआत में महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव आया। आर्थिक सुधारों के लिए नये माडल एल0 पी0 जी0 माडल को अपनाया गया। भारत ने अपने यहाँ निवेश के दरवाजे खोल दिये और अपने यहाँ के नियमों को और सरल बनाया जिससे विदेशी पूँजी के निवेश का मार्ग प्रसस्त हुआ। विदशी पूँजी निवेश माध्यम से स्थापित एवं संचालित होने वाले उद्योग तथा व्यापारों के द्वारा सेवा स्थापित रोजगार के अवसर उपलब्ध होने लगे है। जिनसे स्थानीय लोगों को सेवा योजन का अवसर उपलब्ध हो रहा है। आधुनिकीकरण का यह प्रभाव ही है कि तत्कालिक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वांकाक्षी योजना मेंक इन इण्डिया के लिए भारत के आर्थिक नियमों को सरल करना पड़ा जिससे विदेशी पूंजी का बड़ी मात्रा में निवेश हो जिससे भारत के आर्थिक ढ़ाँचे में सुधार आये और तो और अधिकतम लोगों के पास रोजगार की उपलब्धता हो।

3.राजनीतिक क्षेत्र में आधुनिकीकरण का प्रभाव–

राजनीति में आधुनिकीकरण एवं परम्परा का अपना विशेष महत्व होता है। प्रत्येक देश के राजनीतिक व्यवस्था में यह दोनों तत्व विद्यमान होते है। आधुनिकीकरण का तात्पर्य विकास के विकासात्मक प्रक्रिया से होता है। भारत की राजनीतिक व्यवस्था में आधुनिक एवं परम्परागत तत्वों का सुन्दर समागम दिखाई देता है। स्वतन्त्रता पूर्व भारत की राजनीतिक व्यवस्था पूर्णतया परम्परागत थी अर्थात समाज सत्ता एक ही व्यक्ति द्वारा संचालित होती थी। राजनीति राजतन्त्र पर आधारित थी।

ब्रिटिश शासन के आगमन के पश्चात शासन की राजतन्त्र प्रणाली समाप्त होने लगी, और समाज आधुनिकता की ओर अग्रसर होने लगा। स्वाधीनता प्राप्ति के बाद भारत में लोकतान्त्रिकत प्रणाली अग्रसर हुआ। जनता के हित सर्वोपरी थे इसलिए जनसाधारण के हितों के लिए संविधान का निर्माण हुआ। वर्तमान समय मे आम जनता अपने आप को सशक्तिकृत समझती है इसका प्रमुख कारण संविधान द्वारा उनको दि गयी शक्तियाँ है।

आधुनिकीकरण के प्रक्रिया स्वरूप धर्म निरपेक्ष और कल्याणकारी राज्य कानून के समक्ष सभी को समानता प्रदान की जाती है। तथा सरकार बदलने अथवा चूनने की स्वतन्त्रता तथा अभिव्यक्ति की छुट होती है।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

निष्कर्षः–

वर्तमान समाज को हम देखते है तो हम पाते है कि आधुनिकीकरण का प्रभाव बहुत तेजी से बढ़ रहा है वैश्विकरण, आर्थिक विकास आदि ने इस प्रक्रिया को गति प्रदान किया है। इस प्रक्रिया का प्रभाव भारतीय समाज के प्रत्येक क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। आधुनिकीकरण के प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप ही भारत के संस्थागत ढ़ाँचों में परिवर्तन हो रहा है लोग परम्पराओं, मूल्यों, रूढ़ियों छोड़कर नये व्यवहारों प्रतिमानों इत्यादि को अपना रहे है। प्रदत्त प्रस्थिति के स्थान पर लोग अर्जित प्रस्थिति को ज्यादा महत्व दे रहे है। जिसका कारण आधुनिकीकरण है, और इसकी गति एवं दिशाओं में पर्याप्त विविधता है। एक तरफ जीवन के विभिन्न रूपो में आधुनिकता का पूरा प्रभाव दिखाई पड़ता है। तो वही दूसरी तमाम ऐसी परम्पराओं का भी अनुपालन हो रहा है। जिसकी वर्तमान युग में कोई प्रासंगिकता नहीं है।

अतः हम कह सकते है कि आधुनिकीकरण ने भारतीय समाज के सभी पक्षों के साकारात्मक एवं नाकारात्मक दोनों रूपों में प्रभावित किया है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

1. गुप्ता एम0एल0शर्मा डी0डी0 : समाजशास्त्रीय निबन्ध एवं मौखिकी, साहित्य भवन पब्लिकेसन्स, आगरा, 2000।
2. पाण्डेय, रवि प्रकाश : वैश्वीकरण एवं समाज, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005।
3. पाण्डेय, एस0एस0 : समाजशास्त्र, टाटा मैक्ग्राहिल एजुकेशन प्रा0 लि0 न्यू दिल्ली।
4. सिंह, योगेन्द्र : भारतीय परम्परा का आधुनिकीकरण, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2006।
5- www.essaysinhindi.com/india/भारतीय-राजनीति-आधुनिकता/5044
6- https://hi.m.wikipedia.org/wiki/उदारीकरण,_निजीकरण_और_वैश्वीकरण
7- http://www.essaysinhindi.com/india/culture/आधुनिकता-पर-निबन्ध-essay-on-modernity-in-hindi/4499
8- https://hi.m.wikipedia.org/wiki/आधुनिकता

RRIJM 2015, All Rights Reserved